भारत - बोलिविया संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत और बोलिविया के बीच संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। लीमा स्थित भारतीय दूतावास को समवर्ती रूप में बोलिविया की भी जिम्मेदारी सौंपी जाती है, जबकि बोलिबिया ने नई दिल्ली में 2012 में अपना एक रेजीडेंट मिशन खोला। भारत में बोलिविया के पहले राजदूत जार्ज कार्डेनास रोबलेस ने 8 नवंबर, 2012 को राष्ट्रपति जी को अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया। बोलिविया में - ला पाज और सांता क्रूज में भारत के दो मानद कांसुल जनरल हैं जो इस समय क्रियाशील नहीं हैं।

वीआईपी यात्राएं : मंत्री स्तर पर द्विपक्षीय संपर्क ज्यादातर अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की बैठकों के दौरान अतिरिक्त समय में हुए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री ने रियो डि जेनेरियो में मार्कोसुर आर्थिक शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में मई, 2000 में बोलिविया के उप राष्ट्रपति से मुलाकात की। बोलिविया के उप विदेश मंत्री पाबलो गुजमान ने दोहा वार्ता चक्र पर अनौपचारिक बैठक में भाग लेने के लिए सितंबर, 2009 में नई दिल्ली का दौरा किया तथा भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से मुलाकात की।

पहला भारत - बोलिविया विदेश कार्यालय परामर्श 20 नवंबर, 2014 को ला पाज में आयोजित हुआ। भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व श्री आर स्वामीनाथन, विशेष सचिव (अमरीकाज एवं सी पी वी) द्वारा किया गया। बोलिविया के शिष्टमंडल का नेतृत्व उप विदेश मंत्री श्री जुवान कार्लोस अलुराल्डे द्वारा किया गया। विशेष सचिव ने बोलिविया के विदेश मंत्री श्री डेविड चोकेहुआंका से भी मुलाकात की।

1997 में, भारत और बोलिविया ने एक सांस्कृतिक करार पर हस्ताक्षर किया। भारत ने द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार (बी आई पी पी ए) तथा दक्षिण - दक्षिण सहयोग की रूपरेखा के अंदर तकनीकी सहयोग के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव रखा है। बोलिविया ने द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक रूपरेखा करार तथा राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट के लिए करार पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव रखा है। वार्ता चल रही है।

बोलिविया को सहायता : बोलिविया को आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत सिविलियन प्रशिक्षण के लिए 2015-16 के दौरान 5 स्लाट आवंटित किए गए हैं। बोलिविया के कुछ राजनयिकों ने पी सी एफ डी पाठ्यक्रमों में भाग लिया है।

भारत ने बोलिविया को मानवीय सहायता प्रदान की है। भारत ने 2011 में, उत्तरी एवं मध्य क्षेत्रों में बाढ़ को देखते हुए राहत उपाय के रूप में बोलिविया को 2,00,000 अमरीकी डालर की राशि नकद रूप में दी। इसी तरह, 2008 में, ला नीना चक्रवात से आई बाढ़ के जवाब में नकद सहायता के रूप में 1,00,000 अमरीकी डालर की राशि

दान में दी गई। 2007 में, भारत ने बोलिविया में भूस्खलन को देखते हुए मानवीय सहायता के रूप में 2,00,000 अमरीकी डालर की दवाओं को दान में दिया था।

<u>वाणिज्यिक संबंध :</u>

भारत - बोलिविया व्यापार

	2012 -13	2013 -14	वृद्धि	2014 -15	वृद्धि	2015 -16 अप्रैल से अक्टूबर 2016
भारत का निर्यात	57.387	53.187	-7.32 प्रतिशत	70.838	33.19 प्रतिशत	47.081
भारत का आयात	7.406	2.421	-67.31 प्रतिशत	3.56	47.05 प्रतिशत	141.106
कुल व्यापार	64.793	55.608	-14.18 प्रतिशत	74.398	33.79 प्रतिशत	188.187

स्रोत : डी जी सी आई एंड एस, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार

तथापि, बोलिविया के सांख्यिकी संस्थान (आई एन ई आई) के अनुसार कलेंडर वर्ष 2013 (जनवरी - दिसंबर) के दौरान भारत और बोलिविया के बीच व्यापार 103.15 मिलियन अमरीकी डालर था - भारत की ओर बोलिविया को निर्यात 101.11 मिलियन अमरीकी डालर तथा बोलिविया से भारत द्वारा आयात 2.04 मिलियन अमरीकी डालर था। आई एन ई आई सांख्यिकी के अनुसार, वर्ष 2014 की इसी अवधि में, कुल व्यापार 161.36 मिलियन अमरीकी डालर (भारत की ओर से बोलिविया को निर्यात का मूल्य 158.88 मिलियन अमरीकी डालर तथा बोलिविया से भारत द्वारा आयात का मूल्य 2.48 मिलियन अमरीकी डालर) था। आई एन ई आई के आकड़ों के अनुसार 2015 के पहले 8 महीनों (जनवरी से अगस्त) के दौरान कुल व्यापार का मूल्य155.22 मिलियन अमरीकी डालर (भारतीय निर्यात का मूल्य 78.08 मिलियन अमरीकी डालर और बोलिविया से भारत द्वारा आयात का मूल्य 77.14 मिलियन अमरीकी डालर) है।

भारत मुख्य रूप से आटोमोबाइल, लोहा एवं इस्पात, भेषज पदार्थ, मशीनरी, रबर एवं यार्न एवं टेक्सटाइल का निर्यात करता है। बोलिविया से भारत चमड़ा एवं उर्वरकों का आयात करता है तथा हाल ही में इस सूची में गोल्ड डोर की पट्टियां शमिल हुई हैं।

निवेश : बोलिविया में अब तक केवल एक भारतीय परियोजना है जो जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड की है। यह परियोजना अल मुटन आयरन ओर माइन का विकास करने

तथा एक स्टील प्लांट का निर्माण करने के लिए थी। परंतु बोलिविया सरकार के साथ मतभेद की वजह से जुलाई, 2012 **में भारतीय कंपनी द्वारा यह परियोजना समाप्त कर दी गई।**

हाल ही में, **बसों के प्रापण के लिए तथा अवसंरचना में निवेश के लिए भारत के एग्जिम बैंक की ऋण सहायता में बोलिविया द्वारा रूचि दर्शाई गई है। चर्चा चल रही है।**

सांस्कृतिक संबंध :

भारत और बोलिविया ने एक सांस्कृतिक करार पर हस्ताक्षर किया है। मई, 2012 **में आई सी सी आर ने ओडिसी डांसर मसाको ओनो की बोलिविया यात्रा को प्रायोजित किया। मसाको ओनो ने तीन डांस परफार्मेंस**, **ला पाज**, **कोचाबंबा एवं सांता क्रूज में एक - एक परफार्मेंस दिया। लापाज़ में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने में बोलिविया के लोगों ने सक्रियता से भाग लिया।**

भारतीय समुदाय :

बोलिविया में भारतीय समुदाय की संख्या कम है तथा इसके तहत लगभग 180 **भारतीय शामिल हैं**, **जो खुदरा व्यापार**, **परिवहन क्षेत्र**, **कृषि**, **धार्मिक समुदाय आदि में लगे हुए हैं।**

उपयोगी संसाधन :
भारतीय दूतावास, **लीमा की वेबसाइट** :
www.indembassy.org.pe
भारतीय दूतावास, **लीमा का फेसबुक पेज** :
https://www.facebook.com/indembassy.peru

***

जनवरी*, 2016*